विषय-सूची
श्रीमद्भागवतम्
विषय-सूची
प्राक्कथन
आमुख
प्रस्तावना
अध्याय एक
कलियुग के पतित वंश
अध्याय का सारांश
दूषित राजनीतिक दावपेंच
मौर्य वंश की स्थापना
राजवंश का अधम चरित्र
अध्याय दो
कलियुग के लक्षण
अध्याय का सारांश

दिन-प्रतिदिन सद्गुणों का ह्रास
विवाह संस्था का पतन
भगवान् कल्कि का अवतार
कृष्ण के प्रयाण के साथ कलियुग का शुभारम्भ
भौतिकतावादी राजाओं के विचार
अध्याय तीन
भूमि गीत
अध्याय का सारांश
मूर्ख लोग पृथ्वी को जीतना चाहते हैं
चार युग
प्रकृति के तीन गुणों का प्रभाव
कलियुग के कुछ अधिक लक्षण
बुद्धि नास्तिकता की ओर मुड़ जायेगी
हरे कृष्ण मंत्र का कीर्तन
अध्याय चार
ब्रह्माण्ड के प्रलय की चार कोटियाँ
अध्याय का सारांश
सम्पूर्ण भौतिक प्रलय का वर्णन
प्रधान : भौतिक प्रकृति की अव्यक्त अवस्था
मिथ्या अहंकार के भौतिक आवरण का विनाश
भवसागर को पार करने के लिए नाव
अध्याय पाँच
महाराज परीक्षित को शुकदेव गोस्वामी का अन्तिम उपदेश
अध्याय का सारांश
आत्मा शरीर से भिन्न है
तक्षक सर्प
अध्याय छह
महाराज परीक्षित का निधन
अध्याय का सारांश
राजा परीक्षित की घोषणा कि वे ज्ञान में स्थिर हैं
राजा परीक्षित की मृत्यु
तक्षक का वध करने के लिए जनमेजय द्वारा यज्ञ

परम सत्य
वेदों का सूक्ष्म रूप
श्रील व्यासदेव द्वारा वेदों के चार विभाग
याज्ञवल्क्य द्वारा नवीन यजुर्मंत्रों की खोज की अभिलाषा
अध्याय सात
पौराणिक साहित्य
अध्याय का सारांश
अथर्ववेद के प्राचीन विद्वान
पौराणिक विद्या गुरु से शिष्य को मिलती है
पुराणों के लक्षण
सर्ग तथा विसर्ग
भगवान् के छ: प्रकार के अवतार
भगवान् अनन्त, अद्वितीय आश्रय क्यों?
अठारह प्रधान पुराण
अध्याय आठ
मार्कण्डेय द्वारा नर-नारायण ऋषि की स्तुति
अध्याय का सारांश
मार्कण्डेय ऋषि विषयक कुछ चकराने वाले तथ्य
मार्कण्डेय ने मृत्यु कैसे जीती?
मार्कण्डेय के व्रत भंग करने के लिए इन्द्र द्वारा
कामदेव का भेजा जाना
स्वर्ग के गवैयों तथा नर्तकियों द्वारा
मार्कण्डेय को बहकाने का प्रयास
मार्कण्डेय द्वारा दुष्टों की पराजय
नर-नारायण ऋषि का प्रकट होना
भावविभोर मार्कण्डेय द्वारा भगवान् का सत्कार
मुनि द्वारा नर-नारायण ऋषि की स्तुति
भगवान् के चरणकमल : भय से एकमात्र रक्षक
भगवान् को समझने के लिए अनुभूत साधन व्यर्थ
अध्याय नौ
मार्कण्डेय ऋषि को भगवान् की मायाशक्ति के दर्शन
अध्याय का सारांश

नारायण द्वारा मार्कण्डेय को वर दिया जाना
मार्कण्डेय द्वारा भगवान् की मायाशक्ति का
दर्शन करने का अनुरोध
ऋषि की कुटिया के चारों ओर भयानक तूफान
विश्व-बाढ़ में एकाकी विचरण
विस्तृत सागर में मार्कण्डेय का एक द्वीप पर पहुँचना
बरगद के पत्ते पर लेटे शिशु रूप में भगवान् का वर्णन
ऋषि का सृष्टि को भगवान् के शरीर में देखना
भगवान् तथा उनकी मायाशक्ति का अन्तर्धान होना
अध्याय दस
शिव तथा उमा द्वारा मार्कण्डेय ऋषि का गुणगान
अध्याय का सारांश
शिव तथा पार्वती का समाधिस्थ मार्कण्डेय के पास आना
शिव का ऋषि के हृदय में प्रवेश करना
मार्कण्डेय द्वारा शिव तथा उमा की पूजा
ब्रह्म, विष्णु तथा शिव भी सन्त ब्राह्मणों का
सम्मान करते हैं
अपने अधीनस्थों के समक्ष महात्मा विनीत क्यों?
मार्कण्डेय को वरदान
पाठकों के लिए वरदान
अध्याय ग्यारह
महापुरुष का संक्षिप्त वर्णन
अध्याय का सारांश
अमरता कैसे प्राप्त की जाय?
भगवान् का विश्व रूप
भगवान् की सेवा से सारे पापों का उच्छेदन
तीन अच्युत जीव
भगवान् के चार स्वांश
भगवान् की स्तुति से लाभ
सूर्य:सारे जगतों के स्रष्टा, नियामक तथा आत्मा
सूर्यदेव के संगियों के बारह समूहों की गणना
सूर्यदेव तथा उनके संगियों के स्मरण की महत्ता

अध्याय बारह
श्रीमद्भागवत की संक्षिप्त विषय-सूची
अध्याय का सारांश
मनुष्य बनने के लिए श्रीमद्भागवत सुनना आवश्यक
परब्रह्म रहस्य तथा भक्ति
ब्रह्माण्ड की सृष्टि
महाद्वीप, स्वर्गिक मंडल तथा नरक
भगवान् के अवतार
श्रीकृष्ण का प्राकट्य तथा लीलाएँ
कलियुग के उत्पात
कृष्ण अपनी महिमा गायकों के हृदय को
विमल बनाते हैं
कृष्ण की स्तुतियाँ मन के लिए शाश्वत उत्सव
भगवान् के चरणकमलों की स्मृति अशुभ वस्तुओं का
विनाश करने वाली
श्रीमद्भागवत सुनने के लाभ
श्रीमद्भागवत में ही हरि का प्रभूत तथा निरन्तर यशोगान
श्रील सूत गोस्वामी द्वारा शुकदेव गोस्वामी की प्रशंसा
अध्याय तेरह
श्रीमद्भागवत की महिमा
अध्याय का सारांश
भगवान् कूर्म की स्तुति
अठारह प्रमुख पुराणों की श्लोक संख्या
सर्वप्रथम ब्रह्मा का भगवान् से श्रीमद्भागवत सुनना
भागवत : भगवान् की अमृतमयी लीलाओं से ओतप्रोत
श्रीमद्भागवत : समस्त वेदान्त दर्शन का सार
श्रीमद्भागवत : एक निष्कलंक पुराण
अन्त
परिशिष्ट
लेखक परिचय